राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

संख्या–31/2025

प्रेस–विज्ञप्ति

बिहार के गौरवशाली अतीत के आधार पर स्वर्णिम भविष्य का निर्माण करें–राज्यपाल

पटना, 24 मार्च, 2025 :– ''बिहार का अतीत अत्यन्त गौरवशाली रहा है और यहाँ की परंपराएँ प्रेरणा देनेवाली हैं। भारतीय संस्कृति को आकार देने में बिहार की महती भूमिका रही है। यह राज्य सदियों तक हर तरह से भारत की राजधानी रहा है तथा राजनीतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक क्षेत्रों में इसका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। हम अपने शानदार अतीत का गौरव बोध करें और इसके आधार पर भविष्य का निर्माण करें।'' –यह बातें माननीय राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खां ने गाँधी मैदान, पटना में आयोजित बिहार दिवस–2025 के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कही।

राज्यपाल ने कहा कि बिहार के नालंदा विश्वविद्यालय और विक्रमशिला विश्वविद्यालय में दुनिया भर के विद्यार्थी ज्ञानार्जन के लिए आते थे। भारत ज्ञान की भूमि है और यहाँ की संस्कृति ज्ञान की ही रही है। यह ज्ञान का ऐसा केन्द्र बने, जहाँ विश्व भर के विद्यार्थी न केवल भारतीय संस्कृति एवं दर्शन बल्कि अपने–अपने देशों की संस्कृति और दर्शन का भी अध्ययन करने यहाँ आ सकें तथा हमारे शिक्षकों का पूरी दुनिया के बारे में ज्ञान इतना व्यापक हो कि वे उन्हें पढ़ा सकें। हमारे मनीषी ने हजारों वर्ष पूर्व बिहार की धरती से ही ऐसा आवाहन किया था।

राज्यपाल ने कहा कि हमें अपनी गौरवशाली विरासत का बोध होना चाहिए और इसे पुनः स्थापित करने का प्रयास करना चाहिए। ऐसा संभव है और इसे प्राप्त करने की पर्याप्त योग्यता और क्षमता हममें विद्यमान है। उन्होंने कहा कि बिहार के लोग काफी मेधावी और कठिन परिश्रमी हैं तथा देश के अन्य राज्यों तथा बड़े शहरों के विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। वे बिहार को भी आगे बढ़ा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि बिहार से बाहर यहाँ के लोगों की पहचान बिहारी के रूप में है। उन्हें अपने राज्य में भी जाति और धर्म जैसी संकीर्ण भावनाओं और इससे बनी पहचान से उपर उठकर अपने राज्य को विकसित करने का प्रयास करना चाहिए।

आगे पृष्ठ....2 पर

राज्यपाल ने कहा कि भारत की संस्कृति बताती है कि हमारी पहचान आत्मा से होती है। यह आत्मा के रूप में परमात्मा सबमें विद्यमान है। अतः हमारे लिए कोई पराया नही है। सबके प्रति प्रेम और सहिष्णुता हमारे देश की बुनियादी शिक्षा है और ऐसी शिक्षा देने में बिहार की अग्रणी भूमिका रही है। हम इस गौरवशाली परंपरा का बोध कर अपने स्वर्णिम भविष्य का निर्माण करें।

राज्यपाल ने कहा कि महिलाओं की बराबर की भागीदारी के बिना कोई भी समाज प्रगति नहीं कर सकता है। महिलाओं के शिक्षित होने पर बच्चे भी शिक्षित हो जाते हैं। उन्होंने माननीय मुख्यमंत्री एवं राज्य सरकार का प्रशंसा करते हुए कहा कि बिहार में विगत वर्षों में महिलाओं की शिक्षा के लिए काफी प्रयास किये गये हैं। विवेकानंद के अनुसार जन सामान्य और महिलाओं के शिक्षित हुए बिना कोई भी समाज प्रगति के पथ पर अग्रसर नही हो सकता है। राज्यपाल ने बिहारवासियों से आवाहन किया कि वे अपने गौरवशाली अतीत के आधार पर भविष्य का निर्माण करें तथा विकसित भारत के सपने को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभाएँ।

राज्यपाल ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी अवलोकन किया।

इस अवसर पर माननीय शिक्षा मंत्री श्री सुनील कुमार, शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ० एस० सिद्धार्थ, शिक्षा सचिव श्री अजय यादव, पटना के जिलाधिकारी डॉ० चन्द्रशेखर सिंह तथा अन्य लोग उपस्थित थे।

.....